संपादकीय

रुका हुआ फैसला

आखिर वह रुका हुआ फैसला आ ही गया। शीर्ष अदालत ने बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती समेत 13 लोगों पर आपराधिक षड्यंत्र का मुकदमा चलाने का आदेश दे दिया है। यह अलग बात है कि फैसला आने तक मामले से संबद्ध कई लोगों का निधन हो चुका है। अदालत ने माना है कि केस में पहले ही काफी देर हो चुकी है, इसलिए अब रोज सुनवाई करके इसे दो साल के अंदर निपटाना होगा। मामले को रायबरेली से लखनऊ स्पेशल कोर्ट हस्तांतरित कर दिया गया है। शीर्ष अदालत अब तक हुए विलंब पर कितनी गंभीर है, यह इससे भी जाहिर होता है कि सुनवाई पूरी न होने तक इससे जुड़े किसी न्यायाधीश का तबादला न होने और बिना किसी ठोस कारण के सुनवाई न टाले जाने जैसी व्यवस्थाएं भी उसने साथ-साथ दे दी हैं। फैसले का अपना असर है, अपने निहितार्थ भी, लेकिन मानना होगा कि लंबे विश्राम के बाद न्याय का पहिया फिर से घूमा है। मामले में इतना विलंब हो चुका है कि यह अध्याय आते-आते एक पीढ़ी गुजर चुकी है। विहिप अध्यक्ष अशोक सिंघल सरीखे मामले से सीधे-सीधे जुड़े कई लोग अब जीवित नहीं हैं। फैसला उस वक्त आया है, जब पार्टी के मार्गदर्शक मंडल में जा चुके आडवाणी और जोशी सरीखे नेता अपनी राजनीतिक पारी की सांध्य बेला में हैं। राष्ट्रपति की उम्मीदवारी से भी ये नाम जुड़ रहे थे। स्वाभाविक है कि फैसले के साथ हुई नई शुरुआत इनकी राजनीतिक संभावनाओं पर विराम लगाने वाली भी साबित होगी। केंद्रीय मंत्री उमा भारती के राजनीतिक भविष्य के लिए भी यह अच्छी खबर नहीं है। अदालत ने तकनीकी आधार पर उत्तरप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को उनके राज्यपाल रहने तक मुकदमे से छूट भले दी हो, लेकिन सहज समझा जा सकता है कि विपक्षी आवाज और नैतिकता उनके लिए इसे आसान नहीं रहने देंगे। फैसले ने कानून के उस मूल सिद्धांत की भी फिर से याद दिलाई है कि देर से भले हो, लेकिन अंतत: न्याय होता है। आपराधिक मुकदमा चलाने का आदेश प्रमाण है कि कोर्ट ने मान लिया कि इन शीर्ष नेताओं ने भी छह दिसंबर को संयम नहीं बरता था और एहसास दिलाया है कि लोक-जीवन में सक्रिय नेताओं को वचन-कर्म, दोनों में संयम रखने का सिद्धांत व व्यवहार नहीं भूलना चाहिए। फैसला सीबीआइ के कामकाज पर भी एक सवाल है, जिसने इस तथ्य के बावजूद कि लिब्रहान आयोग ने भी इन्हें दोषी माना था, इन नेताओं के खिलाफ जांच बंद करने की सिफारिश की थी। शीर्ष अदालत ने भी आखिर उसे गलत ही माना। फैसला अदालतों में मामले सालों-साल चलते रहने की भी मिसाल है कि इसमें कितने और कैसे-कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं। यह भी कि जो नेता अब तक बरी माने जाने लगे थे, फिर से कठघरे में दिख रहे हैं। यह भी कि कानूनी प्रक्रिया के पेच किसी मामले को कितना लंबा खींच सकते हैं और कई बार फैसले तब आते हैं, जब पक्ष-प्रतिपक्ष उनके नतीजों के स्वीकार-अस्वीकार को आसानी से गले नहीं उतार पाता। फैसला समाज का ताना-बाना व्यापक तौर पर प्रभावित करने वाले मामलों में हमारी अदालतों के लिए त्वरित न्याय देने का भी संदेश देता है। फैसले की राजनीतिक व्याख्याएं भी होंगी ही। राजनीति यूं भी हर चीज में नफा-नुकसान तलाश लेती है। भाजपा के लिए शायद यह कुछ ऐसा ही अवसर हो। संभव है, इसे 2019 के बचे हुए दो साल से जोड़कर देखा जाए, क्योंकि कई बार प्रत्यक्ष तौर पर दिखने वाला विपरीत भी परिणाम में अनुकूल हो जाया करता है।

पृष्ठ 1 का शेष

राजनाथ सिंह की नौकरशाहों को नसीहत...

70 साल बाद भी यह अवधारणा पहले की तरह कायम है। सिविल सर्विस डे कार्यक्रम के 12 मिनट देरी से शुरू होने पर गृहमंत्री खासे नाराज भी हुए। इसे सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर शुरू होना था। वह खुद पांच मिनट पहले पहुंच गए लेकिन कार्यक्रम शुरू हुआ 12 मिनट बाद यानि 9 बजकर 57 मिनट पर। आयोजकों पर कुछ देर गर्म होने के बाद वह बोले कि क्या स्टील फ्रेम अब पहले की तरह से मजबूत नहीं रहा।

2 साल में बुंदेलखंड की पानी की...

मुख्यमंत्री ने कहा, हमने विद्युत विभाग से कहा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया जाए। अब बिजली विभाग के लोग खुद आपके पास आएंगे। इस योजना का लाभ गरीब को मिलना ही चाहिये। उन्होंने आगे कहा कि भ्रष्टाचार और अराजकता के खिलाफ सरकार किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। ऐसी स्थिति में सीधे बर्खास्त करने की कार्रवाई करेंगे। ऐसे अधिकारियों से सख्ती से निपटा जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने पुरानी सरकारों को भी आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कोई जनता को समाजवाद के नाम पर बांटता रहा तो कोई किसी और नाम पर। जिन लोगों ने गरीबी हटाओ का नारा दिया वे प्रदेश के करोड़ों लोगों के लिये कोई नीति क्यों नहीं बना पाए। क्या कोई इन लोगों से पूछेगा कि करोड़ों लोगों को आधारभूत सुविधाओं से क्यों वंचित रखा गया।

ड्रैगन को भारत का जवाब, नाम...

मानकीकरण का यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब दक्षिण तिब्बत के भूगोल को लेकर चीन की समझ और इसके प्रति मान्यता बढ़ रही है। स्थानों के नाम तय करना दक्षिणी तिब्बत में चीन की क्षेत्रीय अखंडता की पुष्टि की दिशा में उठाया गया कदम है। तिब्बत एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज के शोधार्थी गुओ केफन ने कहा, ये नाम प्राचीन समय से अस्तित्व में हैं, लेकिन ये पहले कभी मानकीकृत नहीं थे। आधिकारिक घोषणा एक तरह से इसका इलाज है।

पंजाब मंत्रिमंडल ने लिए कई अहम फैसले

चंडीगढ़

पुराने सभी ठेके समाप्त करके कांग्रेस सरकार ने माइनिंग के लिए पंजाब की 59 खड्डों की नीलामी प्रक्रिया से 300 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया कि भूमि मालिकों को मुआवजा 50 से 60 रुपए प्रति टन बढ़ाकर दिया जाएगा। माइनिंग के लिए इन 59 खड्डों की ऑनलाइन नीलामी करवाई जा रही है, जिसके बाद 20 मई तक माइनिंग का काम शुरू हो जाएगा।

वहीं, पंजाब सरकार ने 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक खालसा कालेज अमृतसर का निजीकरण हो जाने पर इसके विरासती रुतबे को खो जाने से बचाने के लिए विवादपूर्ण खालसा यूनिवर्सिटी एक्ट-2016 रद्द करने का फैसला लिया है। कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने खालसा कालेज की शानदार विरासत की रक्षा करने का वायदा किया, जो विरासती दर्जे वाली देश की सबसे पुरानी शैक्षणिक संस्थाओं में से एक है, वहीं पंजाब स्टेट रैगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडिड एजुकेशनल इंस्टीच्यूशंस रूल्स-2017 को सहमति दिए जाने के साथ ही पंजाब सरकार द्वारा निजी स्कूलों की फीस को नियमित करने के लिए रास्ता साफ हो गया है। वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने पत्रकारों को बताया कि इन नियमों के साथ निजी स्कूल गत वर्ष से वार्षिक फीस में 8 फीसदी तक बढ़ौतरी ही कर सकेंगे। स्कूलों द्वारा लिए जाते अन्य फंड भी इन नियमों तहत ही आएंगे।

वहीं, पंजाब सरकार ने ऐतिहासिक सारागढ़ी यादगार/गुरुद्वारे का प्रबंध सारागढ़ी मैमोरियल ट्रस्ट फिरोजपुर को दिए जाने का निर्णय लिया है ताकि इन ऐतिहासिक स्थलों का और भी बढ़िया ढंग से प्रबंधन व देख-रेख किया जाना यकीनी बनाया जा सके।

माइनिंग की बात करते हुए सरकार के प्रवक्ता अनुसार यह भी फैसला लिया गया है कि राज्य सरकार इस प्रणाली में अधिक पारदशता लाने के लिए माइङ्कनग और खनिज पदार्थ प्रबंधन प्रणाली को भी शीघ्र ही लागू करेगी क्योंकि यह प्रणाली भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई है। इसने ओडिशा में सफलतापूर्वक नतीजे सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा माइनिंग पॉलिसी के लिए वित्तमंत्री मनप्रीत बादल की अगुवाई में एक कमेटी का गठन किया गया है, जिसके द्वारा माह के अंत तक अपनी रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी, जिसके बाद पंजाब की नई माइनिग पॉलिसी लागू होगी।

इस दौरान वित्त मंत्री मनप्रीत बादल के अलावा निकाय मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू सहित कई अधिकारी व नेतागण मौजूद थे।

दैनिक पंचांग

21 अप्रैल 2017 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.56 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	08.54 बजे से
मंगल	वृष में	कर्क	11.08 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	13.24 बजे से
गुरु	कन्या में	कन्या	15.36 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.46 बजे से
शनि	धनु में	वृश्चिक	20.01 ब.से
राहु	सिंह में	धनु	22.17 बजे से
केतु	कुंभ में	मकर	00.22 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कुंभ	2.09 बजे से
		मीन	3.42 बजे से
		मेष	05.12 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	06.01 से	07.30 बजे तक	रोग	06.01 से	07.30 बजे तक
लाभ	07.31 से	09.00 बजे तक	काल	07.31 से	09.00 बजे तक
अमृत	09.01 से	10.30 बजे तक	लाभ	09.01 से	10.30 बजे तक
काल	10.31 से	12.00 बजे तक	उद्वेग	10.31 से	12.00 बजे तक
शुभ	12.01 से	01.30 बजे तक	शुभ	12.01 से	01.30 बजे तक
रोग	01.31 से	03.00 बजे तक	अमृत	01.31 से	03.00 बजे तक
उद्वेग	03.01 से	04.30 बजे तक	चर	03.01 से	04.30 बजे तक
चर	04.31 से	06.00 बजे तक	रोग	04.31 से	06.00 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

शुक्रवार 2017 वर्ष का 111 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2074 **शक संवत्** 1939 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 02.36 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुभ 13.10 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 17.01 बजे तदनन्तर विष्टि 04.55 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 51' **सूर्य** उत्तरायण **कलि अहर्गण** 1869399 **जूलियन दिन** 2457864.5 **कलियुग संवत्** 5119 **कल्पारंभ संवत्** 1972949117 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885117 **वीरनिर्वाण संवत्** 2543 **हिजरी सन्** 1438 **महीना** रज्जब **तारीख** 23

आप का राशिफल 21 अप्रैल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष इ ठ ए ओ वा वी वू वे वो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोस्थ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ गू गे गो ला सी सू से सो दा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन दी दू थ झ ञ दे धो चा ची

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

माया कोडनानी ने की अमित शाह को गवाह के तौर पर बुलाने की मांग

अहमदाबाद

साल 2002 के नरोदा पाटिया नरसंहार मामले में गुजरात की पूर्व महिला एवं बाल कल्याण मंत्री माया कोडनानी ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह व सात अन्य को अतिरिक्त गवाह के तौर पर बुलाने की मांग की है।

जस्टिस हर्षा देवानी और जस्टिस बीरेन वैष्णव की पीठ ने उक्त याचिका पर विशेष जांच दल (एसआइटी) से उसका रुख पूछा है। इस एसआइटी का गठन गुजरात दंगों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने किया था। जिन सात अन्य लोगों को कोडनानी ने अतिरिक्त गवाह के तौर पर समन करने की मांग की है उनमें पूर्व भाजपा विधायक अमरीश पटेल, जगदीश पटेल, लखाभाई राठौड़, धवल शाह, धीरज राठौड़, एमडी लखिया और कांतिभाई सोलंकी शामिल हैं।

कोडनानी का कहना है कि अभियोजन पक्ष ने बिना किसी ठोस कारण के इन आठ गवाहों को विशेष एसआइटी अदालत में सुनवाई के दौरान हटा दिया था। नरोदा पाटिया में हुए नरसंहार में 96 लोग मारे गए थे। विशेष एसआइटी अदालत ने इस मामले में कोडनानी को 28 साल जेल की सजा सुनाई थी। वह फिलहाल जमानत पर हैं। विशेष एसआइटी अदालत 2002 के ही गुजरात दंगे के एक अन्य नरोदा गाम मामले की भी सुनवाई कर रही है। इस मामले में भी कोडनानी अभियुक्त के तौर पर शामिल हैं और हाल ही में अदालत ने अमित शाह और 13 अन्य को बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर बुलाने की उनकी याचिका मंजूर कर ली थी।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से घिरे वीरभद्र सिंह की ईडी कार्यालय में पेशी

नई दिल्ली

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) कार्यालय में पेश हुए। ईडी ने उनसे आय से अधिक संपत्ति मामले में जब्त किए दस्तावेजों से संबंधित सवाल पूछे। वीरभद्र को पेश होने के लिए ईडी ने नोटिस जारी किया था। पहले उन्हें 13 अप्रैल को पेश होना था, लेकिन उन्होंने जरुरी काम का हवाला देते हुए पेश नहीं हुए थे।

ईडी वीरभद्र सिंह के खिलाफ धनशोधन रोकथाम कानून(पीएमएलए) एक्ट के तहत जांच कर रहा है। वीरभद्र के केंद्रीय मंत्री रहते हुए परिवार को करोड़ों रुपये मिलने का मामला है। सीबीआइ इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह कदम तब उठाया है जब वीरभद्र सिंह, उनकी पत्नी एवं अन्य के खिलाफ सीबीआइ आरोप पत्र दायर करने के करीब है। यह आरोप पत्र आय के ज्ञात स्रोतों से करीब 10 करोड़ रुपये अधिक की संपत्ति जमा करने के मामले में दायर किया जाएगा।

विजय माल्या के प्रत्यर्पण के लिए ब्रिटिश सरकार के संपर्क में भारत

नई दिल्ली

भगोड़ा घोषित शराब कारोबारी विजय माल्या के 17 मई को प्रत्यर्पण पर मामले की सुनवाई पर भारत ने कहा कि वह ब्रिटेन की सरकार के संपर्क में है। ब्रिटेन में इस मामले में आंतरिक कानून प्रक्रिया चल रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गोपाल बागले ने गुरुवार को कहा कि ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग इस मामले को ब्रिटेन सरकार के साथ मिलकर देख रहा है।

भारत की प्रत्यर्पण की अपील पर ब्रिटेन में एक आंतरिक प्रक्रिया जारी है। 61 वर्षीय माल्या भारतीय बैंकों का 9 हजार करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुकाने के मामले में विगत बुधवार को लंदन में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नवीन पटनायक की मुलाकात पर भाजपा का तंज

नई दिल्ली

ओडिशा में भाजपा के तेजी से हो रहे उदय के बीच जहां सत्ताधारी बीजद के अंदर ही टूटफूट के आसार बढ़ गए हैं, वहीं गुरुवार को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुलाकात को भी गठबंधन राजनीति के नजरिए से देखा जा रहा है, जबकि भाजपा नेता ओडिशा से आने वाले केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ट्वीट कर तंज किया कि यह मुलाकात दरअसल चिटफंड घोटाला दोषियों को बचाने के लिए परस्पर सहयोग के लिए है क्योंकि तृणमूल के दो गिरफ्तार सांसद भुवनेश्वर में ही हैं।

भुवनेश्वर में महज दस-पंद्रह मिनट हुई ममता-नवीन की बैठक को औपचारिक मुलाकात बताया जा रहा है, लेकिन बातों बातों में ममता यह संकेत देने से नहीं चूकी कि दोनों नेताओं के अच्छे संबध हैं और भाजपा को दूर रखने के लिए क्षेत्रीय दल कमर कस कर तैयार हैं।

दूसरी तरफ प्रधान ने एक के बाद एक ट्वीट कर इस मुलाकात को ही आरोपों के कठघरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा- नवीन के नेतृत्व वाली बीजद और ममता नेतृत्व वाली तृणमूल भ्रष्टाचार को बचाए रखने के कामन तार से जुड़ी है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर पुलों के साथ बनेंगे बैराज

नई दिल्ली

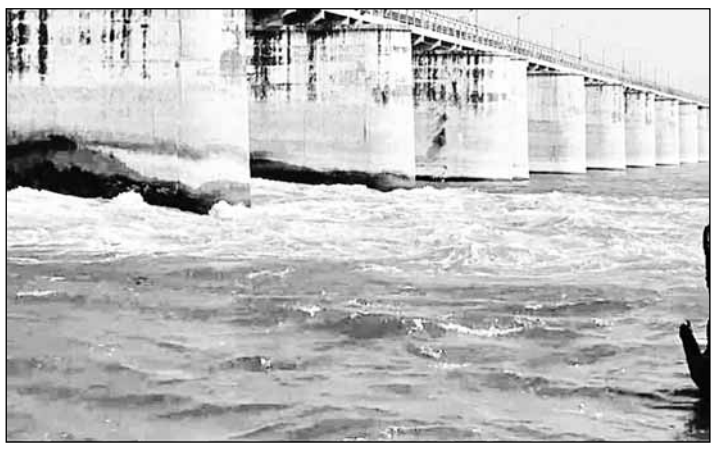

देश में पानी की बढ़ती किल्लत के मद्देनजर जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनने वाले 100 मीटर तक लंबे नए पुलों के साथ बैराज निर्माण को अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्र, राज्यों व सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देश जारी किए हैं।

मंत्रालय की ओर से 18 अप्रैल को भेजे गए पत्र में राज्यों के प्रमुख/परिवहन सचिवों तथा एनएचएआइ, एनएचडीसीएल तथा बीआरओ प्रमुखों से कहा गया है कि मनुष्यों तथा पशुओं के पीने तथा खेतों की सिंचाई के लिए जल जैसे दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन के उचित उपयोग के अलावा संरक्षण की भी आवश्यकता है। इसलिए मंत्रालय ने तय किया है कि अब से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनने वाले 100 मीटर या कम लंबाई वाले सभी पुलों के साथ बैराज का भी अनिवार्य रूप से निर्माण किया जाएगा। यही नहीं, ऐसे पुराने पुलों, जिनका उपयोग अब बंद किया जा चुका है, का उपयोग भी बैराज के लिए किया जा सकता है। पत्र के अनुसार राज्यों के सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) पुलों के साथ बैराज बनाने के प्रस्ताव तैयार कर अपनी सिफारिशों के साथ मंत्रालय को भेजेंगे। प्रस्ताव भेजने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि सिंचाई, जल संसाधन, पर्यावरण जैसे विभागों तथा स्थानीय प्रशासन आदि की राय ले ली गई है। इसके लिए प्रस्ताव के साथ इन विभागों के प्रधान सचिव/सचिव का अनापत्ति प्रमाणपत्र लगाना आवश्यक होगा। पत्र में पुल-सह-बैराज निर्माण के बारे में दिशा-निर्देश भी संलग्न किए गए हैं। इनके मुताबिक पुलों का ढांचा नदी या नाले को पार करने के साथ-साथ आवश्यकतानुसार उसके पानी को संग्रहित करने के दोहरे उद्देश्य को ध्यान में रखकर निर्मित किया जाएगा। इस संबंध में दक्षिण भारत में जल संरक्षण के परंपरागत उपायों का उदाहरण दिया गया है। पुल की कुल लंबाई सौ मीटर या उससे कम होनी चाहिए। बैराज का ढांचा पुल के डाउनस्ट्रीम साइड (जिस ओर जल का प्रवाह हो रहा हो) बनाया जाएगा, जबकि जल का भंडारण अपस्ट्रीम साइड (जिस ओर से जल प्रवाह आ रहो हो) में होगा। बैराज के लिए पुल के खंभों से इतर अतिरिक्त खंभे बनाए जाएंगे। इनकी ऊंचाई इतनी होगी कि अधिकतम 3.50 मीटर तक जल भंडारण हो सके और अतिरिक्त जमीन की जरूरत भी न पड़े।

योजना के तहत शुरू में सड़क मंत्रालय इन पुल-सह-बैराजों के निर्माण की पूरी लागत के अलावा पहले तीन वर्षों तक संचालन एवं रखरखाव का खर्च भी वहन करेगा, परंतु इसके बाद संचालन व रखरखाव का खर्च संबंधित राज्य सरकार को वहन करना होगा। इस संबंध में विस्तृत ब्योरे के लिए मंत्रालय ने इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा कराए गए अध्ययन पत्र (संख्या 496) डुअल परपज ब्रिज स्ट्रक्चर :क्रासिंग एंड स्टोरेज-नीड आफ दि डे को पढ़ने की सलाह भी दी है।

प्रसंगत: प्रार्थना के बीच में

एक सेठ एक साधु से मिलने आया। साधु को प्रणाम करके उसने कहा, 'बाबा, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं कर पाता। जब भी मैं ध्यान लगाने की कोशिश करता हूं तभी मेरे आगे दुनियावी चीजें आ खड़ी होती हैं। धन कमाने और पारिवारिक तनाव के बारे में सोचने लग जाता हूं। आप ही बताइए मुझे प्रार्थना में मन लगाने के लिए क्या करना चाहिए?' यह सुनकर साधु महाराज सेठ को एक ऐसे कमरे में ले गए जिसकी खिड़कियों में शीशे लगे हुए थे। साधु ने सेठ को कांच के पार बाहर का नजारा दिखाया। शीशों से पेड़, उस पर चहकते पक्षी व दूसरी कई चीजें नजर आ रही थीं। यह देखकर सेठ प्रसन्न हो गया। उसके बाद साधु उसे एक दूसरे कमरे में लेकर गए। वहां कमरों की खिड़कियों पर चांदी की चमकीली परत लगी हुई थी। साधु बोले, 'सेठ जी, जरा देखो तो इस चांदी की चमकीली परत के पार आप क्या देख पाते हैं?' सेठ चांदी की चमकीली परत के पास गया तो उसे अपने चेहरे के सिवाय और कुछ नहीं दिखा। बाहर के मनोरम दृश्य उस परत में खो गए थे। यह देखकर सेठ बोला, 'बाबा, यहां तो बाहर की दुनिया ही गायब है। चांदी की चमकीली परत में तो मुझे सिवाय अपने चेहरे के कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता जबकि कांच में से मुझे बाहर के मनोरम दृश्य दिखाई पड़ रहे थे।' सेठ की बात सुनकर साधु बोले, 'बिल्कुल सही कहा तुमने। इसी तरह तुम भी प्रार्थना करते समय अपने ऊपर चांदी की परत चढ़ाए रखते हो इसलिए उसमें तुम्हें अपनी शक्ल और अहं के अलावा कुछ और नजर नहीं आता। यदि तुम स्वयं को कांच की तरह पारदर्शी और स्वच्छ बनाओगे तो तुम्हारा प्रार्थना में ध्यान सहज ही लग जाएगा।' सेठ को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसने उसी क्षण निश्चय किया कि अब वह बेमतलब की चीजों को प्रार्थना के बीच में नहीं आने देगा।

यह दैनिक प्रकाशक, मुद्रक एवं मालिक एड. अरुण कोटेचा द्वारा देश प्रेस, 85, हनुमाननगर, नागपुर यहां छपवाकर 1, पंचशील सिनेमा बिल्डिंग, वर्धा रोड, नागपुर - 440012 यहां से प्रकाशित किया।
संपादक - एड. अरुण कोटेचा, फोन नं. 2541300/2562837 फॅक्स : (0712) 2541300 email : vikibaat@gmail.com/vikibaat@rediffmail.com R.N.I.No.MAH HIN/2000/6262

सूचना - 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित सभी लेखों पर संपादक की अनुमति हो यह अनिवार्य नहीं है। 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित किसी भी लेख पर यदि आपत्ति हो तो उसके विरुध्द केवल नागपुर न्यायालय में ही कार्रवाई होगी।